

## उत्तरदायित्वपूर्ण नेतृत्व में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका

बीना बैरबा, सहा-प्रध्यापक, स्नेह टीचर ट्रेनिंग कॉलेज, मुहाना सागानेर, जयपुर

### सारांश

लेख द्वारा भावात्मक बुद्धिमत्ता उच्च प्रदर्शन और उत्तरदायित्वपूर्ण नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भावात्मक बुद्धिमत्ता से नेतृत्व बालक अन्य बालको से अच्छे संवाद, सहानुभूति, समस्याओं को समझना आदि गुणों का व्यवहारिक रूप से प्रदर्शन करता है। अतः उत्तरदायित्वपूर्ण नेतृत्व में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ नेतृत्व करने पर एक समापन शब्द यह है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ नेतृत्व करना उतना ही महत्वपूर्ण है: जब एक पूरा संगठन भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ आगे और केंद्र में नेतृत्व करने वाले लोगों से भरा होता है, तो यह एक मजबूत संस्कृति का निर्माण कर सकता है। यहां तक कि कठिन बातचीत भी, अधिक ईमानदार, उत्पादक और सम्मानजनक होती है। हर कोई अपनेपन और स्वामित्व की मजबूत भावना महसूस करता है। संगठनात्मक विविधता पहल के सफल होने के लिए सहानुभूति और समावेशन विशेष रूप से अनिवार्य है। उत्तरदायित्वपूर्ण नेतृत्व एक ऐसा गुण है जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन और समृद्धि की प्रेरणा करता है। एक सशक्त नेता विश्वासयोग्य, संवेदनशील, और सहानुभूति भरे नेतृत्व के साथ अपने समुदाय को मार्गदर्शन करता है। इस संदर्भ में, भावनात्मक बुद्धिमत्ता नामक गुण नेतृत्व के महत्वपूर्ण अंग के रूप में सामने आता है।

मुख्य शब्द— उत्तरदायित्वपूर्ण नेतृत्व, भावात्मक बुद्धिमत्ता

### प्रस्तावना—

मनोभाव अथवा भावना चेतना का वह पक्ष जिसमें व्यक्ति हर्ष, विषाद, डर, घृणा आदि महसूस करता है। परन्तु मनोभाव चेतना के भावनात्मक पक्ष को ही मुख्य रूप से प्रदर्शित करता है जिसमें व्यक्ति सुख-दुख आदि महसूस करता है। वैसे चेतना के अन्य पक्ष भी हैं जिसमें संज्ञानात्मकता तथा संकल्प-शक्ति जैसे तत्व भी शामिल होते हैं। भावना में चेतना के भावात्मक पक्ष को इस रूप में परिभाषित किया जा सकता है कि चेतना की इस अवस्था में व्यक्ति के मन में मुख्य रूप से कुछ सुखद या दुखद अनुभव ही व्याप्त रहते हैं। इसी आधार पर भावना को चेतना की अन्य अनुभूतियों से अलग किया जा सकता है।

मेयर और सालोवे के अनुसार भावनात्मक बुद्धि, भावनात्मक तथा बौद्धिक विकास को उन्नत करने की क्षमता है। इस क्षमता के अन्तर्गत मेयर और सालोव मनोभावों को महसूस करने की, उनका मूल्यांकन करने की और भावनाओं को उत्पन्न करने की क्षमता भी शामिल करते हैं। इन अमेरिकी मनोवैज्ञानिकों के अनुसार इन क्षमताओं अर्थात् भावनात्मक बुद्धि के द्वारा ही व्यक्ति मनोभावों तथा भावनात्मक ज्ञान को समझ पाता है साथ ही अपनी भावना को भी नियमित व निर्देशित पाता है।

### भावनात्मक बुद्धि का औचित्य

साधारण शब्दों में कहा जाए तो भावनात्मक बुद्धि कुछ खास मानवीय गुणों की ओर इंगित है जैसे किसी की मनःस्थिति को समझना, दूसरों के प्रति सहानुभूति प्रकट करना तथा अपनी भावना पर नियंत्रण रख जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने की कोशिश करना आदि। भावनात्मक बुद्धि अथवा समझ की सार्थकता इस बात में है कि इसके माध्यम से मानवीय संबंध स्वस्थ और बेहतर बनाए जा सकते हैं। साथ ही इसकी महत्ता इस बात में भी है कि इसके सहारे जीवन से जुड़ी चुनौतियों से जूझने तथा इन चुनौतियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखकर समस्याओं के समाधान में मदद मिलती है। संक्षेप में, भावनात्मक बुद्धि हमें एक बेहतर जीवन जीने की क्षमता प्रदान करती है। अतः हम यह कह सकते हैं कि भावनात्मक बुद्धि हमारी वह क्षमता है जिसके द्वारा हम अपना कर समाधान करते हैं तथा एक बेहतर एवं गुणात्मक रूप से उत्तम और प्रभावशाली जीवन जीने की कोशिश करते हैं। भावनात्मक बुद्धि में भावना हो परन्तु बुद्धि नहीं या फिर बुद्धि हो लेकिन भावना नहीं, तो इससे हमारी समस्याओं का आंशिक समाधान ही संभव हो पाएगा। समस्याओं के पूर्ण समाधान के लिए दिल व दिमाग दोनों की जरूरत पड़ती है और भावनात्मक बुद्धि में ये दोनों ही तत्व शामिल होते हैं।

### भावनात्मक बुद्धिमत्ता के 4 प्रमुख घटक

उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ नेतृत्व करना चाहते हैं? यह बहुत अच्छा है! लेकिन पहले, सुनिश्चित करें कि आप समझें कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता में निम्नलिखित 4 प्रमुख घटक होते हैं

**आत्म-जागरूकता:** भावनाओं, साथ ही अपनी ताकत और कमजोरियों को जानने और प्रदर्शन और रिश्तों पर उनके प्रभाव को पहचानने की क्षमता।

**स्व-प्रबंधन:** सकारात्मक और नकारात्मक दोनों भावनाओं और आवेगों को नियंत्रित करने और परिस्थितियों के अनुसार लचीला और अनुकूल होने की क्षमता।

**सामाजिक जागरूकता:** दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने, राजनीतिक रूप से नेविगेट करने और सक्रिय रूप से नेटवर्क बनाने की क्षमता।

**संबंध प्रबंधन:** प्रेरक संचार, प्रेरणा, बंधन बनाने और व्यक्तियों के बीच संघर्ष को खत्म करने के माध्यम से प्रेरित करने की क्षमता।

यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि सभी भावनाएँ कार्यात्मक हैं। चाहे आपका अपना व्यवहार हो या दूसरों के कार्य सकारात्मक या नकारात्मक भावनाएँ उत्पन्न कर रहे हों, दोनों अलग-अलग तरीकों से प्रभावशाली होते हैं। इससे पहले कि आप नई प्रथाओं को लागू कर सकें और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ नेतृत्व करने की अपनी क्षमता को मजबूत कर सकें, अपनी वर्तमान भावनाओं का आकलन करें और जो परिणाम आप चाहते हैं उस पर विचार करें। अक्सर, जब कोई व्यक्ति या वस्तु "हॉट बटन" दबाता है तो हमारी नकारात्मक भावनाएँ भड़क उठती हैं। हॉट बटन वे लोग या स्थितियाँ हैं जो आपको इतना परेशान कर सकती हैं कि आप संघर्ष में शामिल हो सकते हैं और विनाशकारी प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न कर सकते हैं। बटन जितना अधिक "गर्म" होगा, उतनी अधिक संभावना होगी कि आप मजबूत नकारात्मक भावनाओं, व्यक्तिगत उत्तेजना की भावनाओं, स्वचालित और आवेगपूर्ण प्रतिक्रिया और तनाव में वृद्धि का अनुभव करेंगे।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता को आपकी भावनाओं को समझने और प्रबंधित करने की क्षमता के साथ-साथ अपने आस-पास के लोगों की भावनाओं को पहचानने और प्रभावित करने की क्षमता के रूप में परिभाषित किया गया है। यह शब्द पहली बार 1990 में शोधकर्ताओं **जॉन मेयर और पीटर सलोवी** द्वारा गढ़ा गया था, लेकिन बाद में मनोवैज्ञानिक **डैनियल गोलेमैन** द्वारा इसे लोकप्रिय बनाया गया।

एक दशक से भी अधिक समय पहले, गोलेमैन ने नेतृत्व में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के महत्व पर प्रकाश डाला था, **हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू** में कहा था, "सबसे प्रभावी नेता एक महत्वपूर्ण तरीके से एक जैसे होते हैं: उन सभी के पास उच्च स्तर की वह चीज होती है जिसे भावनात्मक कहा जाता है।" बुद्धिमत्ता। ऐसा नहीं है कि आईक्यू और तकनीकी कौशल अप्रासंगिक हैं। वे मायने रखते हैं, लेकिन... वे कार्यकारी पदों के लिए प्रवेश स्तर की आवश्यकताएं हैं।

## नेतृत्व

नेतृत्व से आशय किसी व्यक्ति विशेष के उस गुण से है। जिसके ओरा वह अन्य व्यक्तियों का मार्गदर्शन करता है। अर्थात् विभिन्न व्यक्तियों या व्यक्तियों के किसी समूह को निश्चित लक्ष्यों को प्राप्त अग्रसर करता है। **कुपर्ज तथा ओडोनेल के अक्यू**, नेतृत्व व्यक्ति को प्रभावित करने की कला अथवा प्रक्रिया है। जिससे कि समूह के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वे स्वेच्छापूर्वक कार्य करने लगे।

## भावात्मक बुद्धिमत्ता व नेतृत्व का सहसंबंध –

शैक्षिक नेतृत्व में म्फ कौशल शामिल होता है। एक लीडर की भावात्मक बुद्धिमत्ता पूरी टीम की सफलता की कुंजी होती है। नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम में छात्रों में भावात्मक बुद्धिमत्ता कौशल और धात्रों में नवीनता का स्वभाव है। नेतृत्व वाला बालक भावात्मक बुद्धिमत्ता से अपनी और अन्य विद्यार्थियों के व्यवहार, भावनाओं को जानकर किया जाने वाला व्यवहारिक कौशल है। भावात्मक बुद्धि से नेतृत्व बालक विकासशील और वातावरणीय कारकों का वर्णन कर कार्यों की योजना बना कर भावात्मक व्यवहार को प्रदर्शित करता है।

### 1. संवेदनशीलता और संबंधों का मूल्य:

एक उत्तरदायित्वपूर्ण नेता अपने टीम के सदस्यों की भावनाओं को समझता है और उनके साथ संवाद करता है। वह संबंधों को महत्व देता है और टीम के सदस्यों को समर्थ बनाने के लिए संबंधों का बेहतर प्रबंधन करता है।

### 2. समस्याओं के समाधान में सकारात्मक दृष्टिकोण:

भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले नेता समस्याओं को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखते हैं और समाधान ढूँढने में मार्गदर्शन करते हैं। वे संदेश को स्पष्टता से साझा करते हैं और सही समय पर सहानुभूति दिखाते हैं।

### 3. संघटकता और प्रेरणा:

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से संगठित और प्रेरित नेतृत्व उत्पन्न होता है। उनकी सकारात्मक ऊर्जा और अभिनय कौशल उनके द्वारा अनुयायियों को प्रेरित करते हैं और उन्हें संगठित रूप में काम करने के लिए प्रेरित करते हैं।

#### 4. संघर्षों को संभालना:

भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले नेता संघर्षों और संकटों को संभालने में मदद करते हैं।

##### निष्कर्ष

भावात्मक बुद्धिमत्ता उत्तरदायित्वपूर्ण नेतृत्व का अद्वितीय गुण है जो नेता को समुदाय के लिए निर्माणशील और प्रेरणादायक बनाता है। इसके साथ ही, भावात्मक बुद्धिमत्ता भी नेता को संदेश संबंध बनाए रखने, और समस्याओं को हल करने में मदद करती है। इस तरह, भावात्मक बुद्धिमत्ता उत्तरदायित्वपूर्ण नेतृत्व का अभिन्न अंग है, जो नेता को समझदारी, संवेदनशीलता, और सहानुभूति के साथ अपने कार्य को सम्पन्न करने में मदद करता है। भावात्मक बुद्धिमत्ता अपनी भावनाओं को परिस्थिति के अनुसार नियंत्रित व निर्देशित कर, पारस्परिक संबंधों का विवेकानुसार और सामंजस्यपूर्ण तरीके से प्रबंधन करने की क्षमता भावात्मक बुद्धिमत्ता कहलाती है। यह मूल रूप से अपनी भावनाओं को पहचानने और दूसरे के मनोभावों को समझकर उन पर नियंत्रण करने की क्षमता **भावात्मक बुद्धि को 1990 में पीटर सेलोवे तथा डा. जान मेयर** द्वारा प्रतिपादित किया गया भावात्मक बुद्धिमत्ता (मफ) के क. नाम से भी जाना जाता है। भावात्मक बुद्धिमत्ता उच्च प्रदर्शन और व्यक्तित्व नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अतः लेख का निष्कर्ष में हम कह सकते हैं कि भावात्मक बुद्धिमत्ता द्वारा उत्तरदायित्वपूर्ण नेतृत्व से अच्छे संवाद, सहानुभूति, समस्याओं को समझना आदि गुणों का व्यावहारिक रूप से प्रदर्शन करता है। उत्तरदायित्वपूर्ण नेतृत्व एक ऐसा गुण है जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन और समृद्धि की प्रेरणा करता है।

##### सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :-

- अग्रवाल संध्या (2008): "षिक्षा मनोविज्ञान" अनुप्रकाशन जयपुर।
- भार्गव महेश, प्रसाद द्वारका एवं सिंह ताम (2006): "मनोविज्ञान एवं षिक्षा में सांख्यिकी के मूल आधार" एच.पी. भार्गव बुक हाउस, आगरा।
- ISBN-13. 978-1138806085 ; एडिशन. 1 ; प्रकाशक. **Psychology Press Ltd** ; प्रकाशन की तारीख. 19 नवंबर 2014 ; भाषा. अंग्रेजी
- [https://en.wikipedia.org/wiki/Emotional\\_intelligence](https://en.wikipedia.org/wiki/Emotional_intelligence)
- <https://www.ihhp.com/meaning-of-emotional-intelligence/>
- <https://www.simplypsychology.org/emotional-intelligence.html>
- [https://him.wikipedia.org/wiki./](https://him.wikipedia.org/wiki/)
- <https://hindi.readersbooksclub.com/emotional-intelligence/>